ज़ुल्म के ख़िलाफ़ आवाज़

Postal Regd. No.:MNW/308/2016-

वर्ष : ०४ | अंक : ४९ | मुंबई, शुक्रवार, ९ से १५ नवंबर २०१८ | RNI No. : MAHHIN/2014/59999 | पृष्ठ : ४ | मूल्य : २/- रुपये

'वंजारा के आदेश पर सोहराबुद्दीन ने पंड्या को मारा'

शाईस्ता शेख

मुंबई, सोहराबुद्दीन शेख कथित फर्जी मुठभेड़ मामले में एक गवाह के रूप में कथित गैंगस्टर आजम खान ने कई बड़े खुलासे किए हैं। यहां निचली अदालत में गवाह के रूप में पेश आजम खान ने बताया कि सोहराबुद्दीन ने गुजरात के पूर्व गृह मंत्री हरेन पंड्या की हत्या की थी। खान ने दावा किया कि गुजरात के पूर्व आईपीएस अधिकारी डीजी वंजारा ने पंड्या की हत्या के कथित आदेश दिए थे। बता दें कि वंजारा कथित फर्जी मुठभेड़ मामले में पहले ही आरोपमुक्त हो चुके हैं। इस मामले में गवाही अगले हफ्ते भी जारी रहेगी। साल २००३ में गृह मंत्री हरेन पंड्या अपनी कार में मृत पाए गए थे। खान ने कहा कि उसने २००२ में सोहराबुद्दीन से मुलाकात की थी। इसके बाद

उसकी दोस्ती सोहराबुद्दीन, उसकी पत्नी कौसर बी और उसके सहयोगी तुलसी प्रजापति से हो गई थी। अदालत में आजम ने शनिवार को कहा, 'उस वक्त सोहराबुद्दीन ने मुझे बताया कि उसे गुजरात के गृह मंत्री हरेन पंड्या की हत्या करने के लिए डीजी वंजारा से पैसे मिले थे और उसने वह काम पूरा किया। फिर मैंने उससे कहा कि उसने जो कुछ किया, वह गलत था और उसने एक अच्छे इंसान की हत्या की थी।'

गवाह ने किए कई खुलासे

खान ने बताया कि वर्ष २००५ में राजस्थान पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था और उदयपुर जेल में उसे रखा गया था जहां उसकी मुलाकात प्रजापति से हुई थी। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश एस जे शर्मा के समक्ष अपना बयान दर्ज कराते हुए गवाह खान ने कहा, 'प्रजापति ने मुझसे कहा कि गुजरात पुलिस ने सोहराबुद्दीन और उसकी पत्नी कौसर बी की हत्या की।'

शाह सहित १६ हो चुके हैं आरोपमुक्त

बता दें कि वर्ष २००५ में गुजरात पुलिस के साथ एक कथित फर्जी मुठभेड़ में सोहराबुद्दीन और उसकी पत्नी मारी गई थी। बाद में गुजरात और राजस्थान पुलिस के साथ एक अन्य कथित फर्जी मुठभेड़ में प्रजापति भी मारा गया था। इन दोनों कथित फर्जी मुठभेड़ों के लिए सीबीआई द्वारा आरोपी बनाए गए कुल ३८ लोगों में से १६ को निचली अदालत आरोपमुक्त कर चुकी है। आरोपमुक्त होने वालों में बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह, वंजारा और गुजरात और राजस्थान पुलिस के कुछ वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

हीरा गोल्ड फ्रॉड: निवेशकों में २ रिटायर्ड पुलिस इंस्पेक्टर भी शामिल

एम.आर.शेख

मुंबई, हीरा गोल्ड नाम की कंपनी जिस पर ५०० करोड़ रुपये का घपला और धोखाधड़ी करने का केस चल रहा है, इस कंपनी में इन्वेस्टर करने वाले डिपॉजिटर्स की लिस्ट में २ रिटायर्ड पुलिस इंस्पेक्टर भी शामिल थे जिन्होंने अपने परिवार के साथ मिलकर हीरा ग्रुप ऑफ कंपनीज की अलग-अलग स्कीम में करीब २० लाख रुपये निवेश किए थे। इसके अलावा हीरा गोल्ड की ठाणे ऑफिस के एक कर्मचारी ने भी इस स्कीम में १ करोड़ ३० लाख रुपये का निवेश किया था।

२ लाख से ज्यादा निवेशकों के साथ पोंजी स्कीम

इस इन्वेस्टमेंट कंपनी की डायरेक्टर ४५ साल की उम्र में बुरका पहनने वाली सिंगल मदर नौहेरा शेख है जिसने २ लाख से ज्यादा निवेशकों के साथ पोंजी स्कीम चला रखी थी। मुंबई पुलिस ने धोखाधड़ी के इस मामले में नौहेरा की भूमिका को लेकर उनके

पूछताछ की और आज नौहेरा को एस्प्लांडे कोर्ट में पेश किया जाएगा।

१५० से ज्यादा निवेशकों ने पुलिस से की शिकायत

पिछले २ सप्ताह में करीब १५० निवेशक मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में शिकायत करने पहुंचें और इन लोगों ने बताया कि उन्हें उनके निवेश का लाभ नहीं दिया जा रहा है और कंपनी ने उनके साथ धोखाधड़ी की है। मुंबई पुलिस के एक ऑफिसर ने बताया, 'निवेशक लगातार हमारे पास आ रहे हैं और हमने उन लोगों की विस्तृत जानकारी और कंपनी ने उनके साथ कितने पैसों का घपला किया है इन बातों को लिख लिया है।'

५ साल में कंपनी को नहीं हुआ कोई घाटा

हीरा गोल्ड कंपनी के ही ज्यादातर कर्मचारियों ने अलग-अलग स्कीम्स में पैसा निवेश कर रखा था। हीरा ग्रुप अपने निवेशकों को सालाना ३६ से ४२ प्रतिशत तक प्रॉफिट देता था। निवेशकों का दावा है कि पिछले ५ साल में कंपनी को कभी कोई घाटा नहीं हुआ। कंपनी का दावा था कि वे सोना खरीदने और बेचने का काम करती है। कंपनी मुंबई से ही सोना खरीदती थी और देशभर के अलग-अलग शहरों में मौजूद अपने आउटलेट्स के जरिए सोने को बेचकर हर साल काफी मुनाफा कमाती थी। हीरा ग्रुप की ३ कंपनियों का मिलाकर सालाना टर्नओर १ हजार करोड़ का था।

हैदराबाद पुलिस ने पहले किया था गिरफ्तार

हालांकि नौहेरा शेख द्वारा चलायी जा रही ३ कंपनियां- हीरा गोल्ड, हीरा टेक्सटाइल्स और हीरा एक्सिम ने मई २०१८ से पैसों के मामले में घपला करना शुरू कर दिया था। नौहेरा शेख को सबसे पहले हैदराबाद पुलिस ने अक्टूबर २०१७ में गिरफ्तार निवेशकों से धोखाधड़ी करने के मामले में गिरफ्तार किया था जिसके बाद मुंबई पुलिस ने बाद में उन्हें अपनी कस्टडी में ले लिया।

कंपनी से जुड़ी प्रॉपर्टीज होंगी नीलाम

नौहेरा शेख के वकील विनीत डांडा का कहना है कि कंपनी ने इसी साल दिसंबर से निवेशकों का पैसा लौटाने की प्लानिंग कर रखी थी। पुलिस का कहना है कि उन्होंने कई ऐसी प्रॉपर्टी की पहचान की है जो कंपनी की है और इन प्रॉपर्टीज को नीलाम किया जाएगा ताकि उससे मिलने वाले पैसे को शिकायतकर्ता निवेशकों के बीच बांटा जा सके।

चॉकलेट बताकर ३ साल की बच्ची के मुंह में फोड़ा बम, ५० टांके लगे, हालत गंभीर

लखनऊ: बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व दिवाली बड़े ही धूमधाम से देशभर में मनाया जा रहा है. लेकिन इस बीच एक ऐसी भयावह खबर सामने आई है जिसे जानकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे. दरअसल उत्तर प्रदेश के मेरठ जिलें में एक युवक ने तीन साल की बच्ची के मुंह के अंदर सुतली बम फोड़ दिया. जिसकी वजह से मासूम गंभीर रूप से जख्मी हो गई है. उसकी हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है. जानकारी के मुताबिक मेरठ जिले के सरधना में एक युवक ने चॉकलेट बताकर तीन साल की बच्ची के मुंह में सुतली बम रख कर फोड़ दिया. जिसके बाद बच्ची की जीभ कट गई और चेहरा भी गंभीर रूप से झुलस गया है. उसके मुंह में ५० टांके लगाए गए हैं.

पुलिस के मुताबिक यह घटना मिलाक गांव में मंगलवार को हुई है. गांव के एक युवक ने घर के बाहर खेल रही बच्ची के मुंह के अंदर सुतली बम फोड़ दिया. बम मुंह के अंदर फटने से बच्ची लहुलुहान हो गई. उसका स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है. फिलहाल बच्ची की हालत गंभीर बनी हुई है. पुलिस ने बच्ची के पिता शशि कुमार की शिकायत के बाद केस दर्ज कर लिया है. फिलहाल आरोपी फरार है. पुलिस उसकी तलाश में जुटी है. बच्ची के परिजनों के मुताबिक आरोपी युवक उनके घर भी आता-जाता था.

स्कूल में १२ साल की छात्रा से रेप, हेडमास्टर और टीचर को १० साल की कैद

आसिफ खान

मुंबई, बॉम्बे हाई कोर्ट ने स्कूल में १२ वर्षीय बच्ची के साथ २०१३ में हुए रेप केस में टीचर और स्कूल की हेडमास्टर को दस साल की कैद की सजा सुनाई है। इस मामले में नाबालिग रेप पीड़िता और उसके पांच सहपाठियों की मदद से आरोपियों को सजा मिल सकी। टीचर को रेप के लिए तो हेडमास्टर को घटना छिपाने के मामले में दोषी मानते हुए यह सजा दी गई है। पीड़ित छात्रा के सहपाठियों (सभी नाबालिग) ने कोर्ट के सामने गवाही दी की टीचर ने शारीरिक शोषण किया है। सहपाठियों ने कोर्ट को बताया कि टीचर उसे गंदी नियत से छूता था। उन्होंने बताया कि टीचर ने बच्ची की नंगी तस्वीरें भी अपने मोबाइल में खीचीं। जस्टिस संभाजी शिंदे और अजय गटकरी ने कहा कि पूरी घटना बच्ची और उसके सहपाठियों ने कोर्ट को मौखिक बताई है। अभियोजन पक्ष की ओर से जो चश्मदीद पेश किए गए उनके बयान एक दूसरे से मेल खाते हैं। जजों ने कहा कि पीड़िता नाबालिग छात्रा और उसके हमउम्र सहपाठी चश्मदीद हैं। उन सबने एक ही तरह के बयान दिए हैं। उन्होंने बताया कि टीचर क्लास में उनकी आपत्तिजनक तस्वीरें खींचता था। हेड मास्टर को इसकी जानकारी थी लेकिन वह उसे सपॉर्ट करती थीं। बचाव पक्ष की ओर से कहा गया कि केस घटना के दो महीने बाद दर्ज की गई जिससे साफ है कि केस झूठा है लेकिन कोर्ट ने इस दलील को खारिज कर दिया। बेंच ने कहा कि बच्ची अपनी मां, दो बहनों और भाई के साथ गांव में रहती है। उसके पिता नहीं है और उसकी आर्थिक स्थिति खराब है। आरोपी ने बच्ची को धमकी दी थी कि अगर उसने किसी से कुछ कहा तो उसे इसका अंजाम भुगतना होगा।

टीचर की धमकी के कारण बच्ची शांत रही और उसने किसी को कुछ नहीं बताया। जब एक दूसरी बच्ची की ओर से एफआईआर दर्ज की गई तो उसके अंदर भी हिम्मत आई और उसने एफआईआर दर्ज करवाई। जज ने कहा कि एक टीचर स्कूल में छात्रों का अभिभावक होता है। बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदारी उसकी होती है लेकिन इस टीचर ने जो अपराध किया वह घिनौना है। बच्ची ने अपनी शिकायत में कहा था कि एक दिन टीचर ने उसे क्लास में धक्का दिया और उसका शारीरिक शोषण किया। उसने बताया कि स्कूल की हेड मास्टर ने क्लास का दरवाजा बाहर से बंद किया था। इस मामले में बच्ची का मेडिकल, आरोपी के पास से बरामद बच्ची की आपत्तिजनक तस्वीरें भी इस केस में अहम साबित हुईं।

नोटबंदी के दो साल: टैक्स आधार बढ़ने की बात कह जेटली ने की तारीफ, राहुल ने बताया क्रूर षड्यंत्र

नई दिल्ली, गुरुवार को नोटबंदी के दो साल पूरे होने के बाद सरकार और विपक्ष खासकर कांग्रेस के बीच तीखा वाद-विवाद देखने को मिला। एक तरफ वित्त मंत्री अरुण जेटली ने नोटबंदी को आयकर दाताओं की बढ़ती संख्या से जोड़ इसकी बचाव किया तो दूसरी तरफ राहुल गांधी ने कहा कि इससे १५ लाख लोगों की नौकरी गई और जीडीपी एक फीसदी घटी। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने नोटबंदी को क्रूर षड्यंत्र बताया है। नोटबंदी की दूसरी सालगिरह पर बीजेपी ने भी कांग्रेस पर निशाना साधा और पार्टी से १० सवाल किए। बीजेपी ने आरोप लगाया कि जब-जब भ्रष्टचारा के खिलाफ कोई मुहिम चलती है तो कांग्रेस विरोध क्यों करती है। बीजेपी ने पूर्व वित्तमंत्री पी चिदंबरम पर लगे कथित भ्रष्टाचार के मामलों की चल रही जांच के संदर्भ में कहा कि उन्हें नीतिगत मुद्दों पर बोलने का हक नहीं है। नोटबंदी के २ साल पूरे होने पर जेटली ने एक फेसबुक

पोस्ट लिखी। फेसबुक पर 'नोटबंदी का प्रभाव' शीर्षक से लिखे एक लेख में जेटली ने कहा कि देश में आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या ८० प्रतिशत उछलकर ६.८६ करोड़ तक पहुंचना , डिजिटल लेन-देन में वृद्धि, गरीबों के हित के काम और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए संसाधन की अधिक उपलब्धता नोटबंदी के कदम की मुख्य उपलब्धियां हैं। चलन से ५०० और १,००० रुपये के नोट को हटाने से सरकार उन लोगों को का पता लगाने में कामयाब हुई जिन्होंने ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति रखी थी। उन्होंने कहा, 'नकदी जमा करने से संदिग्ध १७.४२ लाख खाताधारकों का पता चला। उन लोगों से बिना सीधे कार्रवाई किए आनलाइन जवाब प्राप्त किये गए।' उधर, कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर जमकर हमला बोला और आरोप लगाया कि मोदी सरकार का यह कदम खुद से पैदा की गई 'त्रासदी' और 'आत्मघाती हमला' था।

पुलिसवाले की खोली पोल

इस्माईल खान

मुंबई, मुंबई ट्रैफिक पुलिस को देश के सबसे बेहतर और निष्ठावान जवानों के तौर पर जाना जाता है। मुंबई की सड़कों पर नियमों का उल्लंघन अगर आप करते हैं तो इनकी नजर से आप बच कर निकल नहीं सकते। चालान करने में ये जरा भी रहम नहीं दिखाते। लेकिन अपने ही बनाये नियमों को अगर ये खुद तोड़े तो आप क्या कहेंगे? हाल के दिनों में मुंबई पुलिस के ट्विटर हैंडल पर ट्रैफिक नियमों को तोड़ते हुए पुलिस वालों की तस्वीर

मुंबई वासियों ने खींच कर पोस्ट की तो मुंबई पुलिस शर्मसार हो गई। साख पर बट्टा लगता देख मुंबई पुलिस ने आनन-फानन में कई पुलिस वालो के खिलाफ ई-चालान जारी कर दिया है। बाइक पर बिना हेटमेट पहने सवार पुलिस के जवान की तस्वीर डालते हुए मुंबई के एक नागरिक ने सवाल किया कि क्या नियम सिर्फ आम लोगों के लिए ही है? पुलिस वाले खुद कानून को धड़ल्ले से तोड़ रहे हैं । पुलिस के जवानों की तस्वीरें या वीडियो में बाइक पर बिना हेलमेट पहने, ट्यूटी की कार चलाते हुए बिना सीट बेल्ट के, कभी सड़क पर गलत तरफ गाड़ी चलाते हुए तो कभी फैंसी नंबर प्लेट का इस्तेमाल करते और ट्रैफिक सिग्नल को तोड़ते हुए देखा गया है।

संपादकीय...

बढ़ते बेरोजगार-घटते रोजगार

नौकरी कहां है? यह सवाल साल २०१४ से हिंदुस्थान के युवा पूछ रहे हैं। अब केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी यहीं सवाल उठाया है कि नौकरी कहां है? २०१३ के दिसंबर महीने में चुनावी रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता से वादा किया था कि चुनाव जीतने पर वह अपने शासनकाल के दौरान हर साल एक करोड़ युवाओं को नौकरी देंगे। सत्ता पर काबिज होने के बाद सितंबर २०१४ में 'मेक इन इंडिया' की शुरुआत हुई। पूरे देश को उम्मीद थी कि इस नई योजना से हिंदुस्थान में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे लेकिन 'मेक इन इंडिया' शुरू होने के ४ साल बाद यानी ३० जुलाई २०१८ को लोकसभा में विपक्ष ने जब सरकार को सवाल पूछा कि 'मेक इन इंडिया' के तहत अब तक कितने लोगों को नौकरी मिली है? तो सरकार की ओर से उद्योग व व्यापार मंत्री (राज्य स्तर) सी. आर. चौधरी ने सदन को अवगत कराया की 'मेक इन इंडिया' के तहत कितनी नौकरियां उपलब्ध की गई, उसका डाटा सरकार के पास उपलब्ध नहीं है। यह पहला मौका नहीं है जब नौकरियों के मामले में सरकार ने किसी सवाल से कन्नी काट ली हो, बल्कि इससे पहले सरकार सिस्टम को दोषी ठहराते हुए सरकारी आंकड़ों को ही गलत ठहरा चुकी है। मोदी सरकार आने के बाद से ही नौकरी के साथ जुड़ा हुआ डाटा मिलना बंद हो चुका है। नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस के आंकड़ों को रोजगार और बेरोजगारी के मामले में सबसे विश्वसनीय माना जाता है लेकिन साल २०११-१२ के बाद इस विभाग ने आंकड़ों को इकट्ठा करना बंद कर दिया है। ऐसा नहीं है कि यह इकलौती संस्था रोजगार से जुड़े हुए आंकड़े देती है, बल्कि 'सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी' नामक संस्था भी यह आंकड़े देती है। 'एंप्लाई प्रोविडेंट फंड' के आंकड़ों को भी आधारभूत स्त्रोत माना जाता है लेकिन इन तमाम आंकड़ों को इकट्ठा कर राष्ट्रीय परिस्थिति लोगों के सामने रखने का काम सरकार कर ही नहीं रही है। खैर, सरकार चाहे भले ही आंकड़ों से आंख-मिचौली खेले, लेकिन नौकरी से जुड़ी सच्चाई क्या है? कितने लोगों को रोजगार मिले और कितने लोग बेरोजगार हुए, इससे जुड़े पिछले ४ सालों का रिकॉर्ड जनता के सामने रखना जरूरी है। विशेषज्ञों की मानें तो आबादी बढ़ने के बाद वर्ष १९७० के बाद नौकरी के लिए आवेदन करनेवालों की संख्या में काफी उछाल आया। इन दिनों प्रतिवर्ष ५० लाख नए लोग रोजगार ढूंढने के लिए जॉब मार्केट में पहुंच जाते हैं। निजी संस्था 'सीएमआईई' की रिपोर्ट के अनुसार साल २०१७ में ४० करोड़ ५० लाख लोग नौकरी कर रहे थे लेकिन एक साल बाद यह आंकड़ा घटकर ४० करोड़ १७ लाख हो चुका है यानी करीब ३३ लाख लोगों ने अपनी नौकरी गंवा दी है।

बॉलीवुड समाचार

बाप सुपरहिट तो बेटा सुपरफ्लॉप

बॉलीवुड में इसे इत्तेफाक कहें या फिर कुछ और। दरअसल बात कर रहें बॉलीवुड की उन पांच बाप-बेटे की जोड़ियों की जिसमें बाप तो फिल्मों में सुपरहिट रहा लेकिन बेटे सुपरफ्लॉप साबित हुए। बात करें तो बॉलीवुड में ये शुरूआत से ऐसा होता आ रहा है। तो आइए बात करते हैं इन पांच हिट बाप और फ्लॉप बेटों की जोड़ियों की....

बॉलीवुड में आज भी पिछले ३० सालों से अपनी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीत रहे एक्टर मिथुन के बेटे महाक्षय (मिमोह) हैं। मिमोह ने फिल्म साल २००८ में फिल्म जिम्मी से बॉलीवुड में दस्तक दी थी। लेकिन फिल्म बड़ी फ्लॉप साबित हुई। इसके बाद मिमोह को फिल्म हॉन्टेड, रॉकी और इश्कदरियां और कॉमेडी फिल्म तुक्का फिट में देखा गया था लेकिन इनमें से उनकी एक भी फिल्म हिट ना हो सकी।

फिल्म जगत में फरदीन खान की हैंडसमनेस के चर्चे हुआ करते थे। वह एक्टर फिरोज खान के बेटे हैं। फरदीन खान का भी फिल्मी सफर कुछ खास नहीं रहा और उन्होंने बॉलीवुड से किनारा कर लिया। उन्होंने १९९८ में आई फिल्म 'प्रेम अग्न' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फरदीन को आखिरी बार २०१० मे आई फिल्म 'दूल्हा मिल गया' में देखा गया था। बता दें कि फरदीन खान अपने बढ़े हुए वजन के कारण सोशल मीडिया पर ट्रोल भी हुए थे।

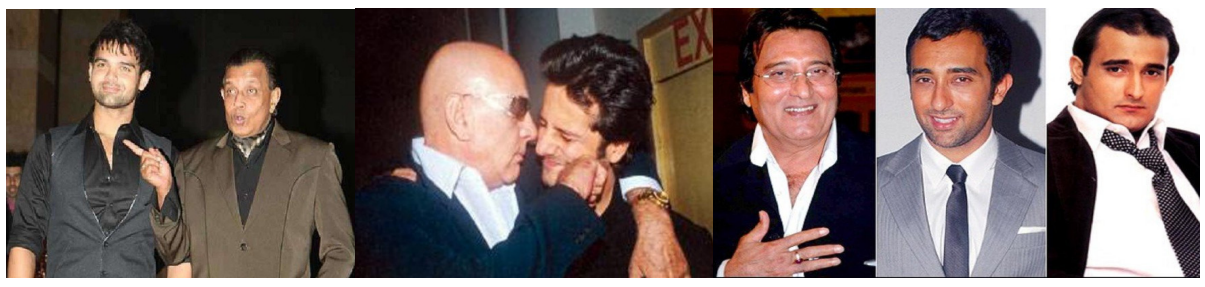

लिस्ट में बात करेंगे ७० के दशक के हैंडसम हंक माने जाने वाले एक्टर विनोद खन्ना की। आज विनोद खन्ना हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनकी फिल्में आज भी उनका अदायगी का लोहा मनवाती हैं। उनकी हिट लिस्ट में एक से एक सुपरहिट फिल्म शमिल हैं। बता दें कि विनोद खन्ना ने कई फिल्मों में निगेटिव किरदार निभाकर भी सुपरहिट साबित हुए हैं। बात करें उनके दोनों बेटों अक्षय और राहुल खन्ना की तो बता दें कि एक बार को अक्षय ने कुछ फिल्मों में सराहनीय काम किया है लेकिन राहुल को लोग आज भी नहीं जानते हैं।

अब बात करेंगे एक्टर राजेंद्र कुमार की जी हां राजकपूर और धर्मेंद्र और दिलीप कुमार के समय के हिट एक्टर रहे हैं राजेंद। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में एक से एक सुपरहिट फिल्में हिंदी सिनेमा को दी है जिनके गाने आज भी लोग गुनगुनाते हैं। बता दें कि फिल्म जगत की सबसे प्रभावशाली और प्रतिष्ठित फिल्म मदर इंडिया में राजेंद्र कुमार की एक्टिंग ने लोगों को उनका दिवाना बना दिया था। मेरे महबूब, हमराही, संगम, आरजू, गीत और आप आए बहार आई जैसी हिट फिल्में उनकी लिस्ट में शामिल होती हैं। वहीं, उनके बेटे कुमार गौरव (मनोज तुली) का फिल्मी करियर बड़ा फ्लॉप साबित हुआ। बता दें कि साल १९८१ में आई उनकी पहली फिल्म लव स्टोरी ने तो कमाल किया था लेकिन इसके बाद उनकी एक के बाद एक फ्लॉप फिल्में आने से उनका करियर बैठ गया।

आखिर में बात करेंगे सदी के महानायक यानी की अमिताभ बच्चन की। फिल्म इंडस्ट्री में बिग बी की सफलता को देखते हुए उनके बारे में जितनी बात की जाए उतनी ही कम है। अमिताभ का स्टारडम इतना ऊंचा है कि ये शब्दों में बयां नहीं हो सकता है। बता दें कि जितना उनके बेटे अभिषेक बॉलीवुड में फ्लॉप साबित हुए हैं उससे कही ज्यादा अमिताभ ने नाम कमाया है।

एचडी क्वालिटी में लीक हुई 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तान', इन ५ फिल्मों को भी उठाना पड़ा करोड़ों का नुकसान

आमिर खान और अमिताभ बच्चन स्टारर फिल्म ठग्स ऑफ हिंदोस्तान सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। फिल्म का लंबे समय से इंतजार हो रहा था लेकिन उम्मीद के मुताबिक दर्शकों की प्रतिक्रिया नहीं आ रही है। वहीं ठग्स ऑफ हिंदोस्तान के लिए एक और बुरी खबर है। रिलीज के महज कुछ घंटों बाद ही यह ऑनलाइन लीक हो गई। पाइरेसी के लिए मशहूर एक वेबसाइट पर इसे तीनों भाषाओं में एचडी क्वालिटी में लीक किया गया है। करीब २५० करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म के इस तरह लीक हो जाने से निश्चित रूप से कमाई पर असर पड़ेगा। ठग्स ही नहीं बॉलीवुड में ऐसी कई फिल्में रहीं जो रिलीज के साथ ही या उससे पहले ऑनलाइन लीक हो गईं और इसका खामियाजा भी उन्हें उठाना पड़ा।

संजू

राजकुमार हिरानी की फिल्म संजू इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म रही। रणवीर कपूर स्टारर फिल्म को फैंस का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला हालांकि रिलीज के कुछ समय बाद ही फेसबुक पर लीक हो गई थी। करीब एक घंटे तक रहने के बाद इसे हटा लिया गया था।

बाहुबली २

ऐसी ही एक बड़ी फिल्म थी एस एस राजामौली की बाहुबली २। पूरी फिल्म कई वेबसाइट्स पर ऑनलाइन लीक हो गई थी। पहले पार्ट में कट्टपा को क्यों मारा गया था, इसे देखने के लिए दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, वहीं फिल्म मेकर्स ने भी उत्सुकता को बढ़ाने का पूरा इंतजाम कर रखा था लेकिन फिल्म के लीक होने से सभी को झटका लगा था।

मांझी: द माउंटेन मैन

डायरेक्टर केतन मेहता की फिल्म मांझी: द माउंटेन मैन दर्शकों को बेहद पसंद आई थी। नवाजुद्दीन सिद्दीकी और राधिका आप्टे स्टारर ये फिल्म रिलीज से एक हफ्ते पहले ही एचडी प्रिंट में लीक हो गई थी। जिसकी वजह से इसे बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों का नुकसान उठाना पड़ा था।

उड़ता पंजाब

शाहिद कपूर, आलिया भट्ट, दिलजीत दोसांझ और करीना कपूर की उड़ता पंजाब को रिलीज के लिए बेहद संघर्ष करना पड़ा। सेंसर बोर्ड से कई विवाद के बाद ये फिल्म लीक हो गई थी। जांच अधिकारियों ने पाया था कि सेंसर बोर्ड की मूल कॉपी चोरी हुई और इसे वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया।

सुल्तान

सलमान खान और अनुष्का शर्मा की फिल्म सुल्तान रिलीज से २४ घंटे पहले ही इंटरनेट पर लीक हो गई थी। जानकारी मिलने के कुछ ही घंटों में इस पर एक्शन लिया गया और कई वेबसाइटों को ब्लॉक कर दिया गया और उस पर मौजूद फिल्म के लिंक को भी हटा दिया गया।

शादी के २ साल बाद सुरवीन देने वाली हैं सरप्राइज, उनकी जिंदगी में होने वाला है कुछ नया

कुछ दिनों पहले ही ये खबर सुरवीन चावला से जुड़ी हुई सामने आई थी जिसमें उन्होंने कहा था कि वो दो साल से शादीशुदा हैं. लेकिन अब जो उन्होंने खुलासा किया है, उसे जानकर आप चौंक जाएंगे. उन्होंने दीपावली के मौके पर बहुत ही बड़ा बम फोड़ दिया है और अपने फैंस को सरप्राइज दिया है.

बॉलीवुड अभिनेत्री सुरवीन चावला लाइमलाइट से दूर ही रहती हैं. पहले उनसे जुड़ी हुई तकरीबन रोज ही खबरें आ जाया करती थीं लेकिन अब ऐसा बहुत ही कम हो पाता है. बॉम्बे टाइम्स के मुताबिक, सुरवीन चावला मां बनने वाली हैं. उनके घर में बहुत जल्द ही एक नन्हा मेहमान दस्तक देने वाला है. बॉम्बे टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में सुरवीन ने कहा कि, 'मेरे लिए ये बहुत खूबसूरत अहसास है. मुझे और मेरे पति अक्षय को इस खुशखबरी का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था. ये नन्हा मेहमान अचानक से मेरी जिंदगी में आया. मैं अब इस बच्चे के लिए हर चीज के लिए तैयार हूं. नन्हा मेहमान अप्रैल में आ रहा है.'

सुरवीन ने आगे कहा है कि, मुझे मेरे अंदर हो रहे बदलाव के डर ने घेरा हुआ था, लेकिन अब मैं खुश हूं और डर भी हवा हो गया है. मैं अब इस पल को महसूस करना चाहती हूं. इसके लिए मैंने अपने आपको तैयार कर लिया है. मुझे नहीं पता इस बारे में महिलाएं कितना सच बोलती हैं लेकिन मुझे लगता है.

तब्बू समेत इन ७ एक्ट्रेसेस ने नहीं की शादी, ताउम्र रहीं अविवाहित

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू ने अपना ४७ वां जन्मदिन मनाया। तब्बू का ज़िक्र जब भी आता है तो उनकी शादी को लेकर ज़रूर बात होती है कि उन्होंने आखिर शादी क्यों नहीं की? लेकिन, ऐसा नहीं है कि इस लिस्ट में तब्बू अकेली हैं। आज हम आपको उन ७ एक्ट्रेसेस के बारे में बता रहे हैं, जिन्होंने शादी नहीं की है।

तब्बू जिनका नाम साजिद नाडियाडवाला से लेकर नागार्जुन तक से जुड़ा है। तब्बू ने अपने अभिनय से इंडस्ट्री में एक अलग ही पहचान बनायी है। लेकिन, ४७ की उम्र में भी वो अविवाहित हैं। तब्बू की तरह सुष्मिता सेन को ही ले लीजिये। मिस यूनीवर्स का खिताब जीतने के पहले और बाद में भी कई पार्टनर रहे हैं सुष्मिता के जीवन में। लेकिन, सुष ने शादी नहीं की है। उन्होंने दो बेटियों को गोद लिया है और उनका परवरिश करते हुए एक शानदार ज़िंदगी जी रही हैं। उनकी लाइफ एक मिसाल है!

नब्बे के दौर में 'आशिकी' फ़िल्म से देश भर में रातों रात फेमस होने वाली एक्ट्रेस अनु अग्रवाल भी अविवाहित हैं। गौरतलब है कि अनु ठीक से सफलता की सीढ़ी भी न चढ़ सकीं थीं कि वो एक दुर्घटना का शिकार हो गयीं। बड़ी ही मुश्किलों से उनकी जान बचायी जा सकी। मेमोरी पर भी काफी असर हुआ और बाद में जब वो थोडा संभली तो फिर उन्होंने संन्यास धारण कर लिया था। ऐसे में उनके लिए शादी-ब्याह का कोई मायने रहा नहीं!

इस लिस्ट में एक नाम सुलक्षना पंडित का भी है। इनका दिल संजीव कुमार पर आ गया था लेकिन संजीव कुमार ने सुलक्षना के प्यार को नहीं समझा। संजीव उन दिनों हेमा मालिनी से इंकार सुनने के बाद अपनी ही धुन में उदास खोये थे। इस बीच सुलक्षना पर संजीव के इंकार का गहरा असर रहा और वो अपना मानसिक संतुलन भी खो बैठीं। शादी, सिनेमा, प्रेम सब कहीं पीछे छूट गया।

अभिनेत्री आशा पारेख दशकों तक फ़िल्म इंडस्ट्री में सक्रिय रही हैं। न जाने कितनी ही हिट फ़िल्में उन्होंने दी हैं। लेकिन, उनके जीवन में कुछ ऐसा संयोग रहा कि आशा अविवाहित ही रह गयीं। आज वो ७५ साल की हैं और अपनी ज़िंदगी जी रही हैं।

नंदा जो अपने दौर की टॉप एक्ट्रेस रही हैं। 'जब जब फूल खिले' की इस एक्ट्रेस को जीवन ने कई मौके दिए पर उन्होंने कभी किसी को हां नहीं कहा। बहुत बाद में वहीदा रहमान के कहने पर वो मनमोहन देसाई से जुड़ी पर उसी दौरान मनमोहन देसाई की डेथ हो गयी। फिर, संयोग ऐसा रह गया कि नंदा कभी शादी नहीं कर सकीं और आजीवन अविवाहित रहीं।

समझौता नहीं

भारतीय टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के बाद एसेक्स के लिए खेलते समय मुरली विजय ने अपना फार्म फिर हासिल कर लिया, लेकिन इस सलामी बल्लेबाज ने कहा कि उन्होंने काउंटी खेलने के दौरान अपनी तकनीक में बदलाव नहीं किया और ना ही भारतीय टीम में फिर जगह पाने के लिए वह काउंटी खेल रहे थे । तमिलनाडु के इस सलामी बल्लेबाज ने इंग्लैंड में पहले दो टेस्ट में २०, ६, ० और ० रन बनाए जिसकी वजह से उन्हें बाहर कर दिया गया। इसके बाद ससेक्स के लिए खेलते हुए उन्होंने एक शतक और तीन अर्धशतक जड़े। विजय ने कहा कि मैंने कोई बदलाव नहीं किया। वहां खेलने में मजा आया क्योंकि खेलना आसान नहीं था। मैं ससेक्स का शुक्रगुजार हूं जिसने यह मौका दिया। वहां का अनुभव मेरे काफी काम आएगा।

हारकर भी मालामाल

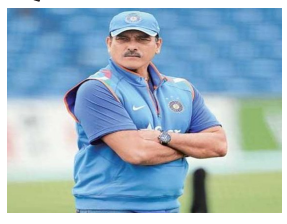

अंग्रेजों से टेस्ट सीरीज गंवा चुकी टीम इंडिया के कोच की भले ही किरकिरी हो रही हो मगर बोर्ड है कि उन्हें मालामाल करने पर तुला है, यही तो क्रिकेट की खासियत है, जहां हारो तो भी पैसा, जीतो तो भी पैसा है। इंग्लैंड में टीम इंडिया के बेहद ही खराब प्रदर्शन के बाद बीसीसीआई ने खिलाड़ियों और हेड कोच रवि शास्त्री को मालामाल कर दिया है। दरअसल बीसीसीआई ने हेड कोच और दूसरे खिलाड़ियों को दी गई सैलरी की जानकारी रिलीज की है। खिलाड़ियों को सेंट्रल कांट्रैक्ट की रिटेनर फीस मिली जबकि टेस्ट खिलाड़ियों को भी आईसीसी की ओर से टेस्ट रैंकिंग की इनामी राशि का शेयर दिया गया। भले ही इंग्लैंड दौरे पर रवि शास्त्री की भूमिका और काम करने के तरीके पर सवाल उठ रहे हैं लेकिन बीसीसीआई ने उन्हें एडवांस पेमेंट कर दी है। शास्त्री को १८ जुलाई से १७ अक्टूबर के बीच टीम की कोचिंग के लिए एडवांस में २.५ करोड़ रुपए मिले हैं।

शिक्षकों ने मनाई काली दिवाली

मुंबई : स्कूलों को अनुदान से वंचित रखनेवाली राज्य सरकार का निषेध करने के लिए कल राज्य के कायम बिना अनुदानित के शिक्षकों ने काली दिवाली मनाई। मुंबई, पुणे, नासिक, कोल्हापुर, बीड़, लातूर व अन्य जिलों में शिक्षा अधिकारी व शिक्षण उपसंचालक कार्यालय के बाहर शिक्षकों ने काली दिवाली मनाई। शिक्षा मंत्री विनोद तावड़े के मुंबई स्थित निवासस्थान सेवासदन जाकर शिक्षकों ने विरोध प्रकट किया।

बता दें कि बिना अनुदानित शिक्षकों को शिक्षामंत्री ने भाईदूज भेंट देने का आश्वासन दिया है। इस भेंट को स्वीकारने के लिए शिक्षक खुद शिक्षामंत्री के निवासस्थान पर गए थे। कायम बिना अनुदानित स्कूल कृति समिति व के मुंबई प्रदेशाध्यक्ष प्रशांत रेडीज के नेतृत्व में यह आंदोलन किया। सर्व घोषित, अघोषित मराठी और प्रादेशिक भाषा के प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूलों को १९ सितंबर २०१६ के जाचक जीआर रद्द कर १०० प्रतिशत अनुदान देने की हमारी मांग है। यदि सरकार अनुदान देती है तो इसका लाभ राज्य के ५,५०० स्कूलों और लगभग ८५ हजार शिक्षक व उनके कुटुंब को होगा। राज्य के विभिन्न जिलों में आंदोलन के दौरान बीड़ शिक्षा अधिकारी के कार्यालय के बाहर काले गुब्बारे भी लगाए गए।

पटाखा फोड़ना पड़ा महंगा

मुंबई : दिवाली रोशनी, मिठाई और पटाखों का त्योहार माना जाता है लेकिन पटाखा फोड़ते समय जरा सी लापरवाही आपको मुसीबत में डाल सकती है। ठाणे के १४ वर्षीय बच्चे के साथ कुछ ऐसा ही हुआ। पटाखा फोड़ना उसे महंगा पड़ गया। पटाखा फोड़ते वक्त उसमें मौजूद छोटा पत्थर उसकी दाईं आंख में चला गया जिसके बाद उसे जे. जे. अस्पताल में लाया गया जहां डॉक्टरों ने सर्जरी की है लेकिन अब उसके आंख की रोशनी लौटती है या नहीं? इसकी कोई गारंटी नहीं है।

बता दें कि गुरुवार को विनय काने व उसके परिवार के लिए खुशियों का त्योहार गम में तब्दील हो गया। सुबह विनय जब अपने दोस्तों के साथ पटाखा फोड़ रहा था कि एक छोटा पत्थर उसकी आंख को भेदते हुए अंदर चला गया। दर्द से तड़प रहे विनय को जे. जे. अस्पताल में लाया गया। नेत्र रोग विशेषज्ञ पद्मश्री डॉ. तात्याराव लहाने ने बतया कि बच्चे के आंख की सर्जरी कर दी गई है लेकिन उसकी आंख को काफी क्षति पहुंची। फिलहाल यह बताना मुश्किल होगा कि उसके आंख की रोशनी लौटेगी या नहीं। लगभग एक साप्ताह तक इंतजार करना पड़ेगा। अभिभावकों और बच्चों से गुजारिश है कि वे संभलकर आतिशबाजी करें ताकि उनके व अन्य लोगों के साथ कोई अनहोनी न हो।

कैदियों की दिवाली!, घर जैसा वातावरण होगा जेल में

ठाणे : कोई भी इंसान जन्म से अपराधी नहीं होता, उसे वक्त अपराधी बनने पर मजबूर करता है। ऐसे ही अपराधियों को सुधारने के लिए जेल बनाई गई है लेकिन कैद में होने के कारण कैदी त्योहार और उत्सव नहीं मना पाते हैं। कैदियों की दिवाली इस वर्ष कुछ खास होगी, क्योंकि कैदियों के लिए दिवाली में फराल (व्यंजन) जेल कैंटीन में आ चुके हैं। कैदियों की बात करें तो जेल का दृश्य सामने आ जाता है। जेल में किस तरह कैदी नियमों का पालन करते हैं। वक्त पर उठना, दो वक्त का भोजन और अन्य बातें ध्यान में आ जाती हैं। सभी नियमों के डर से लोग अपराध करने से पहले १० बार सोचते हैं। ठाणे सेंट्रल जेल में मौजूदा वक्त में ३,४०० से अधिक कैदी सजा काट रहे हैं। दिवाली का त्योहार चल रहा है। सभी कैदियों की भी इच्छा होती होगी कि वे भी आम नागरिकों जैसे नए कपड़े पहनें और दिवाली फराल खाएं। कैद में यह सब मुश्किल होता था मगर पिछले कुछ वर्षों से कैदियों के लिए दिवाली के फराल (व्यंजन) मंगाए गए हैं, जिसमें चकली, करंजी, चूड़ा, लड्डू, शंकरपाली इत्यादि का समावेश है। ये फराल कैदी मनीऑर्डर द्वारा मिले पैसों से खरीदकर खा सकते हैं साथ ही कैदियों के परिवार द्वारा जेल की अनुमति से नए कपड़े कैदियों तक पहुंचाए जा सकते हैं। ठाणे सेंट्रल जेल के अधीक्षक नितीन वायचाल ने बताया कि केवल ठाणे सेंट्रल जेल में ही नहीं बल्कि महाराष्ट्र के सभी जेलों में इस प्रकार की सुविधाएं पिछले कई वर्षों से उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि जेल प्रशासन द्वारा मंगाए गए व्यंजनों को कम दामों पर बेचा जाता है।

जलजमाव से मुक्त होगा हिंदमाता

मुंबई : बरसाती पानी निकासी सुचारू रूप से हो सके इसके लिए हिंदमाता के तीन ड्रेनेज बॉक्सों में से दो ड्रेनेज बॉक्सों का काम जल्द होने से हिंदमाता अब जलजमाव से मुक्त हो जाएगा। इस ड्रेनेज बॉक्स के बनने से हिंदमाता पर जमा होनेवाले पानी को आसानी से रोका जा सकेगा। बता दें कि हिंदमाता में जमा होनेवाले पानी की निकासी ब्रिटिश कालीन ड्रेनेज लाइन से होती है लेकिन यह ड्रेनेज लाइन पूरी तरह से ब्लॉक हो गई है। इस ब्लॉक के चलते सिर्फ १० प्रतिशत पानी की निकासी हो पाती है। इसके चलते मामूली बारिश में भी हिंदमाता में घुटने तक पानी भर जाता है। इसके चलते मनपा प्रशासन ने तीन जगह के ड्रेनेज बॉक्स का काम शुरू किया है। तीन में दो ड्रेनेज बॉक्सों का काम इस मॉनसून से पहले और तीसरे बॉक्स का काम बारिश के बाद पूरा किया जाएगा। इससे आगामी मॉनसून के दौरान हिंदमाता में अब जलजमाव की परेशानी से लोगों को निजात मिल जाएगी।

गर्मी पीछा नहीं छोड़ रही

मुंबई : नवंबर महीने के सात दिन बीत गए हैं लेकिन गर्मी है कि मुंबईकरों का पीछा छोड़ने का नाम नहीं ले रही है। अक्टूबर हीट के बाद अब नवंबर महीने में भी सूरज की तपिश बरकरार है। मुंबई का कल अधिकतम तापमान ३६.२ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बता दें कि मुंबईकरों को गर्मी से किसी भी प्रकार की राहत नहीं मिल रही है। चाहे दिन हो या रात तापमान लुढ़कने का नाम नहीं ले रहा है बल्कि जस का तस बना हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक कल मुंबई का न्यूनतम तापमान २४ डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान ३६.२ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो मुंबईकरों को ठंडी के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। 'स्काई मेट' के प्रमुख मेट्रोलॉजिस्ट महेश पलावत ने कहा कि उत्तर से आनेवाली हवाएं अब भी प्रबल नहीं हुई हैं और पूरब से आनेवाली गर्म हवाएं तापमान को कम नहीं होने दे रही हैं।

राकांपा को कोर्ट का फटका १ का पद गया, ३ पर लटकी तलवार

मुंबई : मुंब्रा प्रभाग समिति अंतर्गत मनपा आम चुनाव २०१७ में २३ में से १८ सीटें जीतनेवाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को तगड़ा झटका लगना शुरू हो गया है। अवैध निर्माण करने के आरोप में राकांपा नगरसेवक मोरेश्वर कीणे का पद जहां रद्द हो गया है, वहीं उसके तीन अन्य नगरसेवकों पर विभिन्न आरोपों के चलते उनके पद रद्द होने का खतरा मंडरा रहा है।

उल्लेखनीय है कि प्रभाग क्र. ३१ (क) से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के टिकट पर चुनाव जीते मोरेश्वर किणे पर अवैध निर्माण करने के आरोप में पराजित उम्मीदवार बालासाहेब जांभाले ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। दो अवैध इमारतों का निर्माण करने तथा उसका टैक्स उनके नाम होने का दस्तावेज प्रमाणित होने तथा पर्चा दाखिल करने के दौरान चुनाव आयोग से यह जानकारी छुपाने का आरोप साबित होने पर कोर्ट ने किणे का पद रद्द करने का निर्देश मनपा आयुक्त को दिया था। जिसे मनपा आयुक्त संजीव जैसवाल ने कोर्ट के निर्देश पर किणे का पद रद्द कर दिया। इसके अलावा प्रभाग क्र. ३१ (अ) से निर्वाचित राकांपा नगरसेविका सुनीता सातपुते पर आरोप है कि वर्ष २००२ के जिस ओबीसी जाति प्रमाणपत्र को उन्होंने नामांकन पत्र में संलग्न किया है, उसी जाति प्रमाणपत्र को फर्जी पाए जाने पर वर्ष २००७ में उनका नगरसेवक पद रद्द हो चुका है। इसी तरह प्रभाग क्र. ३२ (अ) से निर्वाचित नगरसेविका फरदाना शेख पर आरोप है कि नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान उनका खुद का जाति प्रमाणपत्र मौजूद नहीं था लिहाजा उन्होंने प्रवीण गोधूमल बिसनोनी नामक व्यक्ति के जाति पड़ताली प्रमाणपत्र पर सफेद स्याही का प्रयोग कर अपना नाम लिख दिया और उसकी जेराक्स कॉपी नामांकन पत्र के साथ दाखिल कर दी। मुंब्रा के प्रभाग क्र. ३० (अ)में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के टिकट की पर चुनाव जीती हसीना अजीज बाटा पर आरोप है कि उनके असली बाप अब्दुल अजीज मो. नजीर की मौत ठाणे कौशल्या अस्पताल में वर्ष २००४ में हो गई थी। उन्होंने इस नाम से मिलता-जुलता मालेगांव निवासी को अपना बाप बनाकर नासिक से ओबीसी का जाति प्रमाणपत्र हासिल कर लिया और चुनाव जीत गई।

जनता सीधे चुने राष्ट्रपति! हाईकोर्ट में पीआईएल

मुंबई : अमेरिका की तर्ज पर हिंदुस्थान में भी राष्ट्रपति का चुनाव सीधे जनता द्वारा किया जाना चाहिए। इसको लेकर हाईकोर्ट में एक पीआईएल (जनहित याचिका) दायर की गई है। समाजसेवक पं. राजकुमार शर्मा द्वारा दायर इस याचिका में आर्टिकल ५८ को चुनौती दी गई है। गत सप्ताह दायर इस याचिका पर आगामी १९ नवंबर को सुनवाई होगी। राजकुमार शर्मा के अनुसार अमेरिका की तरह ही डिबेट, वोटिंग और पब्लिक के जरिए ही राष्ट्रपति का चुनाव होना चाहिए। उपराष्ट्रपति का चुनाव गवर्नर के प्रमोशन से और एटॉर्नी जनरल का चुनाव सुप्रीम कोर्ट के जजों में से होना चाहिए। उसी तरह राज्य के गवर्नर का चुनाव भी केवल राज्य के कलेक्टरों में से होना चाहिए, जिससे राज्य की कानून व्यवस्था बनी रहे। क्योंकि जब सरकार अपनी पार्टी के लोगों को गर्वनर बनाती है तो वह कई बार सही निर्णय नहीं ले पाते, जिससे राज्य की व्यवस्था खराब हो जाती है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्य के गवर्नर किसी भी दल से जुड़े नहीं होने चाहिए। तभी जनता का भला हो पाएगा।

बनियान पर क्यों पहना कृपाण

मुंबई : अपनी फिल्म 'जीरो' के ट्रेलर को लेकर इन दिनों चर्चा में चल रहे बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान की यह बहुप्रतीक्षित फिल्म विवादों में आ गई है। मुंबई में इस फिल्म के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। दिल्ली में इस फिल्म का अकाली दल ने विरोध किया है।

मुंबई कांग्रेस के उपाध्यक्ष चरण सिंह सप्रा ने फिल्म 'जीरो' की विषयवस्तु पर आपत्ति जताई है। सप्रा ने मुंबई पुलिस में शाहरुख खान की फिल्म के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। बता दें कि इस फिल्म में शाहरुख खान को कृपाण लिए दिखाया गया है। इस पर सिखों ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि इससे सिखों की भावनाएं आहत हुई हैं। सप्रा ने कृपाण के दृश्य को फिल्म से हटाए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर पुलिस केस दर्ज कर कार्रवाई नहीं की तो वह प्रॉडक्शन हाउस के सामने प्रदर्शन करेंगे। इससे पहले सोमवार को दिल्ली अकाली दल के विधायक मंजिंदर सिंह सिरसा ने भी शाहरुख खान और अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा कि पोस्टर में शाहरुख बनियान में खड़े हैं और उन्होंने गले में रुपयों की माला पहनी है। उनके हाथ में कृपाण है। कृपाण को इस तरह से मजाकिया ढंग से दिखाने से सिख समाज में नाराजगी है।

गौरतलब है कि शाहरुख लगभग डेढ़ साल बाद फिल्म 'जीरो' से बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। 'जीरो' से शाहरुख के फैन्स को काफी उम्मीदें हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में फिल्म के निर्माता आनंद एल राय ने उम्मीद जताई थी कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ३५० करोड़ रुपए तक की कमाई कर सकती है।

बेघरों की काली दिवाली

मुंबई : दिवाली को खुशियों के त्योहार के तौर पर माना जाता है। ज्यादातर लोग यथाशक्ति इस त्योहार को खुशी-खुशी मनाते हैं तो वहीं समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े कुछ ऐसे भी लोग हैं जो फुटपाथ पर धंधा लगाते हैं और खरीददार द्वारा खरीदे गए उनके सामानों की बिक्री के बाद वे दिवाली मना पाते हैं। मुंबई में ऐसे सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद हैं, जो फुटपाथ पर छोटी-मोटी दुकान लगाते हैं, इनमें हार-फूल-तोरण बेचनेवाले भी शामिल हैं। इस बार तोरण बेचनेवालों की दिवाली काली साबित हुई है क्योंकि अपेक्षा के अनुरूप ग्राहक नहीं हैं।

राधा लक्ष्मण राजपूत लगभग ४० साल से चर्नी रोड स्टेशन के बाहर फुटपाथ पर रहती है। खुले आसमान के नीचे अपनी और अपने परिवार के साथ जीविका चलानेवाली राधा का कहना है कि खुद के पास पैसा नहीं है तो कुलाबा में फूल की दुकान पर मजदूरी पर काम कर रहे हैं। हम दुनिया का भला करते हैं और हमारा भला नहीं हो रहा है। फूल बेचकर हम दुनिया का घर सजाते हैं लेकिन हम अपने फुटपाथ के घर में दीया नहीं जला पाते हैं। राधा दीदी बताती हैं कि जब भी कोई त्योहार आता है तो हमारी उम्मीदें बढ़ जाती हैं। इस बार दिवाली से काफी उम्मीद थी लेकिन महंगाई होने के कारण व्यापार नहीं है। दिवाली पर महीनभर पहले से व्यापार अच्छा होता था लेकिन इस बार नहीं है। सिर्फ दो दिन से धंधे में कुछ तेजी दिखी है बाकी के दिन ग्राहक के लाले पड़े थे, वहीं जे. जे. अस्पताल के बाहर फुटपाथ पर रहनेवाली शीला पवार ने बताया कि इस बार की दिवाली कड़की में जा रही है। पैसा नहीं है। व्यापार के लिए निवेश (पैसा) नहीं है तो कहां से दिवाली में धंधा लगाएं। इस बार पैसा नहीं होने के कारण फराल नहीं बना रहे हैं केवल सादी-सिंपल दिवाली फुटपाथ पर रंगोली और दीया जलाकर मना रहे हैं। महाराष्ट्र राज्य बेघर अधिकार अभियान के राज्य संयोजक बृजेश आर्य ने बताया कि बेघर लोग भी दिवाली मनाते हैं लेकिन इस महंगाई के वक्त धूमधाम से मनाना बहुत ही कठिन है उम्मीद करते है कि महाराष्ट्र सरकार और मनपा प्रशासन आनेवाले साल में बेघर साथियों को शेल्टरहोम मिल जाएगा तो अगली दिवाली खूब धूमधाम से मानेगी।

दबोचे गए १५६ वाहन चोर, २३० गाड़ियां बरामद

ठाणे : ठाणे पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत वाहनों की चोरी करनेवाले अलग-अलग गिरोहों की पुलिस ने कमर तोड़ दी है। अपराध शाखा द्वारा की गई व्यापक कार्रवाई में २३० वाहन चोरी के मामले का भंडाफोड़ हुआ है तथा १५६ आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से दो करोड़ मूल्य के २३० वाहनों को बरामद किया गया है। पुलिस की यह अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। उल्लेखनीय है कि वाहन चोरी की लगातार बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर पुलिस आयुक्त विवेक फणसलकर ने एक बैठक का आयोजन किया था, जिसमें पुलिस के आला अधिकारियों के साथ ही अपराध शाखा की यूनिट क्र.१ से लेकर ५ तक के सभी अधिकारियों ने भाग लिया। इस बैठक में आयुक्त ने सभी को जमकर लताड़ लगाई थी और वाहन चोरों के गिरोहों को नेस्तनाबूद करने का आदेश दिया था। आयुक्त के इस आदेश के बाद अपराध शाखा की अलग-अलग टीम बनाई गई और कुछ वाहन चोरों को रंगेहाथों पकड़ा गया। गिरफ्तार वाहन चोरों से मिले सुराग के आधार पर पुलिस की विभिन्न टीमों ने कल्याण, ठाणे, भिवंडी तथा अंबरनाथ सहित विभिन्न जगहों पर छापेमारी की और १५६ आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास दो करोड़ रुपए के २३० वाहनों को बरामद किया। बरामद वाहनों में से २३ दोपहिया तथा एक चार पहिया वाहन के मालिक का पता चल गया है और शेष वाहनों को बदलकर बेच दिया गया है।

ड्रग्स का शिकंजा

क्या मुंबई अब कोलंबिया बनता जा रहा है? यह सवाल आज इसलिए उठ रहा है जिस मुंबई पुलिस विभाग की तुलना ब्रिटेन की स्कॉटलैंड यार्ड पुलिस से की जाती थी, उस पुलिस विभाग पर नाइजीरियन गैंग अब सरेआम हमला करने लगा है। मुंबई में नाइजीरियन गैंग ने हाहाकार मचा रखा है। ड्रग माफिया ने मुंबई शहर की युवा पीढ़ी को बरबाद करने के लिए नाइजीरियन गैंग का सहारा लिया है। पिछले २ सालों से यह गैंग अधिक सक्रिय और पहले से ज्यादा संगठित हो चुका है। आलम यह है कि पुलिस हो या मुंबईकर ये नाइजीरियन गैंग के निशाने पर हैं। ड्रग्स डीलिंग के कारोबार में जो कोई रुकावट पैदा करता है उस पर नाइजीरियन गैंग हमला कर देती है। जून के पहले सप्ताह में भायखला इलाके में एकता नगर के पास स्थानीय लोगों ने ड्रग्स के कारोबार का विरोध किया। दर्जनभर स्थानीय लोग रेलवे ट्रैक के पास जा खड़े हुए और ड्रग्स खरीदने आ रहे लोगों को खदेड़ दिया। इस घटना से बौखलाई नाइजीरियन गैंग ने स्थानीय लोगों पर हमला कर दिया। कुछ समय बाद इस गैंग ने स्थानीय पुलिस पर भी पथराव किया। १९ जुलाई के दिन एक बार फिर नाइजीरियन गैंग ने पुलिस पर हमला किया, जिसमें पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। इस गैंग का आतंक लगातार बढ़ता ही जा रहा है। साल २०१६ में भी इन ड्रग्स के सौदागरों ने पुलिस पर हमला कर दिया था, जिसमें ८ पुलिसकर्मी घायल हुए थे। अगस्त २०१७ के बाद से नाइजीरियन गैंग द्वारा मुंबई में ड्रग्स की हेराफेरी के धंधे ने रफ्तार पकड़ ली है। पुलिस को इस बात का अंदेशा तब मिला जब तीन अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई के दौरान ६ नाइजीरियन नागरिक गिरफ्तार हुए। इस घटना से पुलिस चौकन्नी हुई। तार जुड़ने लगे और तब जाकर नाइजीरियन गैंग का पर्दाफाश हुआ।

यह गिरोह इतना संगठित और चालाक हो चुका है कि वह पूरी मुंबई में बड़ी होशियारी से ड्रग्स की सप्लाई कर रहा है। मुंबई की लाइफलाइन कही जानेवाली लोकल ट्रेन के माध्यम से ड्रग्स की सप्लाई की जा रही है लेकिन यह

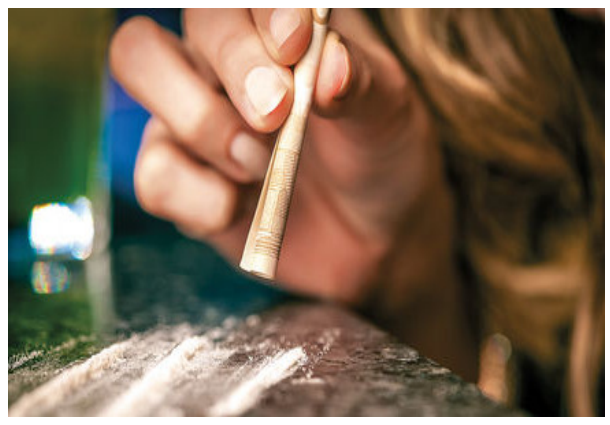

गैंग अपनी सप्लाई चेन बार-बार बदल रहा है। कुछ समय पहले तक फ्री-वे और ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे के माध्यम से ड्रग्स की सप्लाई जारी थी। पुलिस के हाथों से बचने के लिए इस गिरोह ने अब तक कई तरीके आजमाए हैं। जैसे कि मुंबई पुलिस की सीमा समाप्त होने के बाद ड्रग्स की डिलीवरी दी जा रही है। इस डिलीवरी के दौरान मोबाइल फोन स्विच ऑफ रखा जाता है। यदि ड्रग्स की डिलीवरी मुंबई शहर के भीतर देनी हो तो रेलवे ट्रैक पहली पसंद है क्योंकि यहां मुंबई पुलिस को कार्रवाई का अधिकार नहीं है। इसी के साथ पुलिस का खतरा कम करने के लिए छोटी मात्रा में ड्रग्स सप्लाई की जा रही है। महज १० से २५ ग्राम के छोटे पैकेट सप्लाई के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं ताकि पकड़े जाने पर आर्थिक नुकसान कम हो। अपने इस काले धंधे में इन लोगों ने टैक्सी ड्राइवरों को भी शामिल कर लिया है। कुछ चुनिंदा टैक्सी ड्राइवर इन छोटे पैकेस को मुंबई के दूसरे इलाकों तक पहुंचा रहे हैं। पिछले साल नाकाबंदी के दौरान ऐसी ही एक टैक्सी पकड़ी गई थी तब इस नई रणनीति का पता चला था।

साल २०१५ में ड्रग्स हेराफेरी के ३१ मामले सामने आए थे, जिसमें ३८ लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। साल २०१६ में इस तरह के १७ मामले सामने आए थे, जिसमें २३ लोगों की गिरफ्तारी हुई। वहीं साल २०१७ में १४ केस दर्ज हो चुके हैं, जिसमें २९ लोग गिरफ्तार हुए। मौजूदा साल में अब तक ६ मामले सामने आए हैं और ६ नाइजीरियन नागरिकों की गिरफ्तारी हुई है। साल-दर-साल यह आंकड़ा कागज पर इसलिए कम दिख रहा है क्योंकि यह गैंग कानून से बचने के पैंतरे सीख चुकी है। बड़ी-बड़ी राष्ट्रीय राजनीति की खबरों की वजह से इस संगठन की काली करतूतें अखबारों में स्थान नहीं पा रहीं।

गत शनिवार मुंबई पुलिस ने ४० पुलिसकर्मियों की ३ टीम बनाकर रात २ बजे २ गाड़ियों को पकड़ा और ९ नाइजीरियन ड्रग्स माफिया को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार होने से पहले नाइजीरियन माफिया ने पुलिस पर हमला कर दिया था। यह पूरा ऑपरेशन ३ घंटे चला।

चौंकानेवाली बात यह है कि इस गैंग के निशाने पर भायखला, भिंडी बाजार, पायधुनी, क्रॉफर्ड मार्केट जैसे घनी आबादीवाले इलाके हैं। संयोग से इन इलाकों में मुसलमानों की संख्या ज्यादा है। पिछले २ सालों से इन इलाकों से लगातार शिकायतें आ रही हैं कि ड्रग्स माफिया ने कई परिवार के युवकों को गुमराह कर दिया है। इन इलाकों में कार्यरत सामाजिक संगठनों ने शांतिपूर्वक रैलियां भी निकाली हैं। मुंबई पुलिस और मुख्यमंत्री को आवेदन दिया गया है कि इन इलाकों में विशेष ध्यान रखा जाए लेकिन यह मांग बेअसर दिखाई दे रही है। करीब १ साल पहले बच्चों को 'म्याऊ-म्याऊ' नामक ड्रग्स बेचा जा रहा था। उस समय काफी हंगामा हुआ था। मुंबई से सटे नई मुंबई इलाके में भी नाइजीरियन गैंग ने आतंक मचा रखा है। साल २०१२ से लेकर अब तक ड्रग्स सप्लाई मामले में कुल १३ नाइजीरियन नागरिकों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

जीएसटी के लागू होने के बाद मुंबई शहर के भीतर आनेवाले वाहनों की चेकिंग नहीं हो रही। पहले ऑक्ट्रॉय नाकों पर तमाम वाहनों को रोका जाता था और उसकी अच्छी तरह से जांच होती थी लेकिन अब यह ऑक्ट्रॉय नाके खाली पड़े हैं। ऐसे में ड्रग्स आदि की हेराफेरी पहले के मुकाबले काफी आसान हो चुकी है। जरूरत इस बात की है कि समय रहते सरकार इस नाइजीरियन गैंग को खत्म कर दे वर्ना मुंबई शहर के कोलंबिया बनने में देर नहीं लगेगी।

पुलिस परिजनों का दर्द

जाफर शेख

मुंबई : दिवाली का त्योहार लोग बड़ी धूम-धाम से अपने परिजनों के साथ मना रहे हैं लेकिन कुछ परिवार ऐसे भी हैं जिनकी दिवाली इस बार भी अधूरी रह गई है। वह परिवार है पुलिसकर्मियों का। हर्षोल्लास के साथ लोग सुरक्षित रूप से त्योहार मना सकें इसलिए पुलिसकर्मी अपने परिवार से दूर लोगों की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। लोग जब दिवाली में पटाखे फोड़ते हैं तो सुरक्षा में तैनात पुलिसवालों की नजर फोड़नेवालों पर गड़ी रहती है ताकि वह दुर्घटना का शिकार न हों। पुलिसवाले भी अपने परिवार के साथ दिवाली मना सकें इसलिए इनकी आठ घंटे ड्यूटी किए जाने के अध्यादेश की पुलिस परिजनों की मांग रूपी दिवाली उपहार भी इस वर्ष सरकार पूरी नहीं कर पायी। सरकार की इस अनदेखी से एक बार फिर पुलिस परिजन मायूस हो गए हैं और दबी जुबां में अपने घर के मुखिया के बिना अधूरी दिवाली का दर्द बयां कर रहे हैं। बता दें कि तत्कालीन मुंबई पुलिस आयुक्त व वर्तमान पुलिस महासंचालक दत्ता पडसलगीकर ने पुलिसवालों की ड्यूटी आठ घंटे करने का निर्णय लिया था। इस निर्णय का पालन अधिकांश पुलिस स्टेशनों में अभी तक नहीं हो रहा है। इसका पालन कड़े रूप से हो इसलिए इस दीपावली महाराष्ट्र राज्य पुलिस पत्नी संघ की यशश्री पाटील ने दिवाली उपहार के रूप में गृह मंत्रालय के मुखिया व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से आठ घंटे की ड्यूटी पर अध्यादेश लाने की मांग की थी लेकिन गृहविभाग ने फोर्स की कमी का राग अलापकर पुलिस परिजनों को इस दिवाली मायूस कर दिया। यशश्री पाटील का कहना है कि जब त्योहार में घर का मुखिया ही न हो तो परिजनों के लिए त्योहार की खुशियां न के बराबर है। घर की रोशनी यानी मुखिया ही जब साथ न हो तो दी की रोशनी का क्या उपयोग? उन्होंने बताया कि बच्चे अपने माता-पिता के साथ हर त्योहार खुशी से मनाते हैं। पुलिसवालों का परिवार ही ऐसा है जिनके बच्चे त्योहार में इन खुशियों से वंचित रह जाते हैं। यशश्री पाटील ने बताया कि त्योहार में अतिरिक्त काम करने के बाद भी पुलिसकर्मियों को सरकार की ओर से कुछ नहीं मिलता। उन्होंने मांग की है कि त्योहारों में बंदोबस्त में रहनेवाले पुलिसवालों को विशेष भत्ता दिया जाए।

दूध में मिलावट करनेवाले पर होगी कार्रवाई

मुंबई : दुग्धासुरों अर्थात दूध में मिलावट करनेवाले राक्षसों का 'मर्दन' अन्न व औषध प्रशासन (एफडीए) ने शुरू कर दिया है। एफडीए ने उक्त कार्रवाई त्योहारों को देखते हुए की है। त्योहारों में दूध की मांग बढ़ने से 'दुग्धासुर' (मिलावटखोर) सक्रिय हो जाते हैं। कल एफडीए ने अपनी कार्रवाई में करीब तीन लाख लीटर दूध सील किया है जबकि २० हजार लीटर मिलावटी दूध को नष्ट किया है। मिलावटी दूध को लेकर एफडीए १३ 'दुग्धासुरों' के खिलाफ कार्रवाई में जुट गई है। इन सभी दुग्धासुरों के नामांकित दूध कंपनियों से जुड़े होने की बात एफडीए ने कही है। बता दें कि त्योहारों में दूध की मांग बढ़ जाती है। आज दशहरा होने के साथ-साथ आगामी माह में दिवाली का है। इन त्योहारों में दूध से बनाई जानेवाली मिठाई और खोवा की अधिक मांग रहती है। ऐसे में बढ़ती दूध की मांग को देखते हुए मिलावटखोर भी पूरी तरह से सक्रिय हो जाते हैं। इस गोरखधंधे को रोकने के लिए कल एफडीए ने मुंबई के पांच प्रवेश द्वारों पर नासिक-पुणे व अन्य जिलों से आनेवाले दूध के सभी टैंकरों की जांच शुरू कर दी। सवेरे तक चली इस कार्रवाई में करीब १० लाख लीटर दूध की जांच की गई है। एफडीए के संयुक्त आयुक्त शैलेश आढाव ने बताया कि पांच ब्रांडेड दूध कंपनियों के चार लाख लीटर दूध तय मानक से कम पाएंगे। इन दूधों को फौरन सील किया गया, साथ ही आठ टैंकरों में मिलावटी दूध पाए गए। इन दूध में अमोनिया सल्फेट, शूगर यूरिया, माल्टो ड्रेक्सट्रीन जैसे घातक पदार्थ पाए गए। करीब २० हजार लीटर मिलावटी दूध नष्ट किया गया। आढ़ाव ने बताया कि यह मिलावटी दूध सेहत के लिए काफी हानिकारक है। इससे गेस्ट्रो, कैंसर जैसी बीमारियों के अलावा उक्त मिलावटी दूध लीवर, किडनी को भी नुकसान पहुंचाते हैं। आढ़ाव ने बताया कि १३ लोगों (दुग्धासुरों) के खिलाफ फूड सेफ्टी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।

इस साल अब तक पकड़े गए १२ 'रिश्वतखोर'

नवी मुंबई एसीबी की कार्रवाई, ३ को हुई सजा

नवी मुंबई : रिश्वतखोरी के मामलों में नवी मुंबई के ऐंटि करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने इस साल अब तक कथित १२ रिश्वतखोर अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्रवाई की है। सभी विद्युत विभाग का महावितरण विभाग, महानगरपालिका, सिडको व अन्य सरकारी संस्थाओं और प्राधिकरणों में कार्यरत थे। इनमें से ७ मामलों का निबटारा हो चुका है, ३ को सजा सुनाई जा चुकी है। जनजागृति अभियान: इस समय एसीबी विभाग दक्षता जनजागृति सप्ताह के अंतर्गत 'भ्रष्टाचार मिटाएं, नए भारत का निर्माण करें' जागरूकता अभियान चला रहा है। इस अभियान के तहत सभी सरकारी कार्यालयों में उच्च अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों तक को रिश्वतखोरी में पकड़े जाने के बाद होने वाले सामजिक, आर्थिक व पारिवारिक अपमान-नुकसान की जानकारी दी जा रही है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने इस साल पहली बार सरकारी अधिकारियों में अलग तरीके से जनजागृति मुहिम चलाने का क्रम शुरू किया है। रिश्वत लेते अथवा देते समय की गई कार्रवाई की पूरी जानकारी सभी विभागों के सरकारी अधिकारियों को भी तुरंत दी जा रही है। नवी मुंबई एसीबी के उप अधीक्षक रमेश चव्हाण ने कहा, 'एसीबी को भरोसा है कि इस अभियान से आने वाले समय में रिश्वतखोरी पर नियंत्रण और प्रभावी होगा।'

नवी मुंबई एसीबी विभाग ने कहा कि यह दुःखद है कि एसीबी द्वारा की गई कार्रवाइयों में दोषियों को सजा मिलने का औसत बहुत कम है। बहुत से मामलों में तो बड़े अधिकारियों को सजा सुनाए जाने का औसत दुर्लभ ही है। नवी मुंबई एसीबी ने कहा कि अधिकतर मामलों में शिकायतकर्ता अपना बयान बदल देते हैं, जिससे कोर्ट में केस कमजोर हो जाता है।

हेल्पलाइन से करें शिकायत: रिश्वतखोरी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए राज्य-स्तर पर १०६४ हेल्पलाइन पहले से ही उपलब्ध कराई जा चुकी है। एसीबी विभाग शिकायत करने वालों के नाम गुप्त रखती है और जल्द से जल्द कार्रवाई कर दोषी को सजा दिलाने का प्रयास करती है। एसीबी ने आम जनता से हेल्पलाइन पर फोन कर शिकायत दर्ज कराने की अपील की है।

शिकायतों का निपटारा १५ दिनों के भीतर होगा

नई दिल्ली : फेस्टिव सीजन में लोग धड़ल्ले से ऑनलाइन खरीददारी कर रही है। ऑनलाइन खरीददारी करने वालों के लिए एक अच्छी खबर हैं कि सरकार ने ऑनलाइन कंपनियों की मनमानी पर नकेल कसने के लिए गाइडलाइंस का ड्राफ्ट बनाने का काम पूरा कर लिया है। इस ड्राफ्ट में ऑनलाइन कंपनियों को ४५ दिनों के भीतर शिकायतों का निपटारा करने का प्रावधान किया गया है।यानी ऑनलाइन कंपनियों को ग्राहक की कोई भी शिकायत मिलने पर उसका समाधान ४५ दिनों के भीतर करना होगा। ऐसा न करने पर कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और उन पर पेनाल्टी लगाई जाएगी। इस ड्राफ्ट को १५ नवंबर या उससे पहले जारी किया जा सकता है।

ऐसे काम करेंगे चार चरण

सूत्रों के अनुसार तैयार ड्राफ्ट के अनुसार ऑनलाइन कंपनियों को ग्राहकों से मिलने वाली शिकायतों को चार चरणों का आधार बनाकर उसको सुलझाना होगा। पहला चरण होगा कस्टमर्स केयर। कस्टम केयर विभाग ग्राहकों की शिकायतें लेगा और कोशिश करेगा तो उसका अपने लेवल पर समाधान हो सकेंगे। दूसरे चरण में शिकायत का समाधान कस्टमर्स केयर के लेवल पर न होने पर उसको संबंधित विभाग के पास भेजा जाएगा। अगर विभाग से उस समस्या का समाधान न हुआ तो तीसरे चरण में कंपनी का प्रतिनिधि उस ग्राहक से बात करके उसका समाधान करेगा। अगर कंपनी का प्रतिनिधि भी उस समस्या का समाधान न कर सका तो फिर विशेष टीम उस समस्या का समाधान करेगी। इसका साफ मतलब है कि आनलाइन कंपनियों को ग्राहकों की समस्या के समाधान के लिए विशेष टीम बनानी होगी।

आरटीई के तहत शैक्षणिक शुल्क प्रतिपूर्ति में बदलाव नहीं

संवाददाता

मुंबई : राज्य में जो निजी स्कूल सरकारी भूखंड की खरीदारी में सहूलियत लिए हैं, फिलहाल उन्हें आरटीई के तहत विद्यार्थियों का शुल्क नहीं मिलेगा। ऐसे स्कूलों का करार और उनमें लगाई गई शर्तों की सरकार जांच करेगी। शिक्षा विभाग के इस फैसले पर निजी स्कूलों ने नाराजगी जताई है।

हर साल शिक्षा विभाग की ओर से निजी स्कूलों में आरटीई के तहत पढ़ रहे विद्यार्थियों की शुल्क तय की जाती है और उसका भुगतान किया जाता है। इस बार स्कूली शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें पिछले वर्ष की तरह ही शैक्षणिक वर्ष २०१७-१८ में आरटीई के तहत निजी स्कूलों में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों का शुल्क देने का निर्णय लिया गया है।

शैक्षणिक वर्ष २०१६-१७ में यह राशि १७ हजार ६७० रुपये प्रति विद्यार्थी था। अब यही राशि शैक्षणिक वर्ष २०१७-१८ के लिए निजी स्कूलों को दी जाएगी। इसके साथ ही शिक्षा विभाग ने कई शर्तें लगाने के साथ ही शिक्षाधिकारियों को शैक्षणिक शुल्क की प्रतिपूर्ति के लिए एक सूची बनाने का भी निर्देश दिया है।

शुल्क देने से पहले होगी जांच

शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक शुल्क की प्रतिपूर्ति करने से पहले स्थानीय स्तर पर शिक्षाधिकारियों को एक जांच समिति गठित करने का निर्देश दिया है। आरटीई पोर्टल पर प्रवेश लिए विद्यार्थी और सरल पोर्टल पर विद्यार्थियों की नामों का मिलान करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि कितने विद्यार्थी अगली कक्षा में गए हैं। इसके बाद अधिकारी इन नामों की सूची लेकर स्कूलों में जाएंगे और प्रत्यक्षरूप से विद्यार्थियों को देखेंगे। इसके बाद आरटीई के २५ फीसदी कोटे के तहत प्रवेश लिए विद्यार्थियों का हाजिरी लेंगे। साथ ही, निजी स्कूलों के शुल्क की जांच करेंगे। इसके बाद पूरा विवरण लेकर दो रिपोर्ट बनाएंगे। इसमें से एक रिपोर्ट अपने उच्च अधिकारी के पास भेजेंगे और दूसरी रिपोर्ट मुख्याध्यापक को देंगे।

शिक्षाधिकारियों की जिम्मेदारी बढ़ी

शिक्षाधिकारियों को अपने क्षेत्र के निजी स्कूलों का एक सूची बनानी होगी, जिन्हें आरटीई के तहत प्रतिपूर्ति शुल्क दिया गया होगा। सभी निजी स्कूलों की सूची बनाने के बाद उन्हें ५० फीसदी राशि वितरित करना है। इसके साथ ही, उन्हें इसकी एक फाइल अपने कार्यालय में अनिवार्य रूप से रखना होगी।

शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक वर्ष २०१९-२० से आरटीई के तहत निजी स्कूलों की २५ फीसदी सीट के लिए तीन ही प्रवेश फेरी चलाने का निर्देश दिया है। इसके बाद एक चौथी विशेष प्रवेश फेरी चलाई जाएगी। इसमें जो विद्यार्थी स्कूल में पहले जाएगा, उसे प्रवेश मिलेगा।

किन बच्चों की शुल्क देती है सरकार

आरटीई के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए पहली से आठवीं कक्षा तक निजी स्कूलों में २५ प्रतिशत सीटें आरक्षित होती हैं। इसमें जो विद्यार्थी प्रवेश लेते हैं, उनका खर्च सरकार वहन करती है। इस साल आरटीई के तहत जो बच्चे निजी स्कूलों में पढ़ रहे हैं, उनका शुल्क सरकार की तरफ से तय नहीं किया गया था।

म्हाडा के घरों के लिए आवेदन शुरू

एक करोड़ से अधिक वाले १२ फ्लैट

संवाददाता

मुंबई : महाराष्ट्र गृहनिर्माण व क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) ने धनतेरस के मौके पर १३८४ घरों के लिए ऑनलाइन आवेदन मंगाना शुरू कर दिया है। इसमें निम्न आय वर्ग (एलआईजी) वालों के लिए ९२६ घर हैं। इससे एलआईजी वर्ग बहुत खुश है, जबकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) म्हाडा से खुश नहीं है। उनके लिए सिर्फ ६३ घर हैं, जबकि उन्हें इस बार अधिक घरों की उम्मीद थी।

दादर के संतोष दुबे ने बताया कि उन्हें बहुत दिनों से म्हाडा के लॉटरी का इंतजार था। उनकी यह इच्छा धनतेरस के दिन पूरी हुई है। इस बार निम्न आय वर्ग यानी हर महीने ५० हजार रुपये तक कमाने वाले मुंबईकरों से म्हाडा ने ९२६ घरों के लिए

आवेदन मंगाए हैं। इन घरों की कीमत औसतन २८ लाख ४६ हजार रुपये है। इसमें सबसे कम कीमत का फ्लैट २१ लाख ६१ हजार रुपये का है, जबकि सबसे अधिक कीमत ३४ लाख ५२ हजार ७०० रुपये है। वे अंटाप हिल और प्रतिक्षा नगर

म्हाडा ने इस बार जो लॉटरी निकाली है, उसमें एक करोड़ से अधिक रुपये वाले १२ फ्लैट है। ग्रांट रोड के धवलगिरि में तीन फ्लैट हैं, जिनकी कीमत ५ करोड़ से अधिक है।

के लिए आवेदन कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि पहली बार में ही उनकी लॉटरी लग जाएगी। घाटकोपर के हरीश पटेल ने कहा कि उनका छोटा-सा व्यवसाय है। इसकी कमाई से किसी तरह से जीवन-यापन होता है। इस बार उम्मीद थी कि म्हाडा ईडब्ल्यूएस के लिए घर देगी, लेकिन इस वर्ग के सपने पर पानी फिर गया है। ईडब्ल्यूएस के लिए जो ६३ घर हैं, उनकी औसत कीमत १६ लाख ४८ हजार रुपये है। म्हाडा के नियमों के मुताबिक, २५ हजार रुपये तक महीने कमाने वाला व्यक्ति ईडब्ल्यूएस श्रेणी में आवेदन कर सकता है, जबकि इस श्रेणी के लोग मुश्किल से गुजारा कर पाते हैं।

इनके लिए म्हाडा को नियमों में बदलाव करना चाहिए और ईडब्ल्यूएस को घर लागत मूल्य अथवा लागत मूल्य के डेढ़ गुना में घर मुहैया कराना चाहिए। इससे सबको छत देने का प्रधानमंत्री का सपना पूरा होगा और सचमुच जो ईडब्ल्यूएस है, वे म्हाडा के घरों के लिए आवेदन कर पाएंगे।

Riyaz (Graphics Designer) Email: shaikharts2015@gmail.com
96198 36535
72085 31550
Shaikh Arts & Advertising
GRAPHICS DESIGNING | Wedding Cards
Screen & Offset Printing | Visiting Cards
Letter Head & Bill Book | Scanning & Email
Flex & Vinyl Printing | Computerized Typing हिन्दी मराठी اُردو عربی | Brochure
Passport Online | Menu Cards
Authorized Agent All over India Railway Ticket Booking
Aluminum Composite Panel, Acrylic - Letters, Signboard, Steel Brass Letters & LED works done here.
E/29, Grace Plaza Shopping Center, Opp. Saabri Masjid, S.V. Road, Jogeshwari (W), Mumbai - 400 102. Email: riyazshaikh2011@gmail.com

TAUHEED KHAN
8879027789 / 7666779287
Taufeek Caterers
Moghlai, Chinese, Vegetarian Pulav Mutton, Biryani, Mutton Korma, Chicken Korma, Dalgosht, Akhmi Pulav, Khichda, Zam Zam Pulav, Tandoori Akkha Bakra, Halwa, Falooda & All Types Food Made on Order
Prem Nagar, Eidgah Maidan Road, Opp. Babu Ration Shop, Behind Lucky Hotel, Jogeshwari (E), Mumbai 400 060.

मॉडल, कलाकार, हेल्पर की जरूरत है
CINE, T. V. ARTISTS AND WORKERS ASSOCIA-TION (REGD.)
अच्छे मियाँ
कार्ड भी बनाकर दिया जाएगा... कार्ड की कीमत २५००/-
(Regd. No. A.L.C. -17-10174 Under Trade Union Act, 1926 With Government of Maharashtra)
Heena Arcade,Shop No16, S. V. Road, Jogeshwari (W), Mumbai-102
Tel. : 022-66989738 - 9220541108/ 08433238738

New Huma Caterers ®
Jogeshwari
★ We Have No Branch ★
Mohd. Salim
9820710325 / 9967865102
9867868339 / 26790046
: Address :
Shop No. 1, Old Ghaswala Stable, Next to Syndicate Bank, S.V. Road, Jogeshwari (W), Mumbai - 400 102.
Web.: www.newhumacaterers.com
E-mail : newhumacaterers@gmail.com

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक - असगर अमीन शाह द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 3-4 अमीन इंड. इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नं.2, जवाहर नगर फाटक ब्रिज के पास, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063 से मुद्रित कर रुम नं. जी-16, अमीन पारसी चाल, एस. वी. रोड, जोगेश्वरी (पश्चिम), मुंबई-400102 से प्रकाशित संपादक-असगर अमीन शाह